B.A. Part - I, Paper - I
Lecture - 29
Dr. Sunita Kumari, Assistant Professor
Marwari College, Darbhanga.

TOPIC सामाजिक गतिशीलता के प्रकार (Types of Social Mobility)

सामाजिक गतिशीलता दो प्रकार की होती है —

1. समानान्तर या क्षैतिज गतिशीलता (Horizontal Mobility)

2. उर्ध्व या उर्ध्वाधर गतिशीलता (Vertical Mobility)

→ **Horizontal Mobility**

सोरोकिन के शब्दों में "क्षैतिज गतिशीलता अथवा परिवर्तन से व्यक्ति अथवा सामाजिक तथ्य के एक समूह में समान स्थिति पर [illegible]

classmate
Date
Page 2

इस प्रकार क्षैतिज गतिशीलता के अन्तर्गत व्यक्ति अथवा सामाजिक तथ्य का केवल स्थान परिवर्तित हो जाता है, उसकी स्थिति या स्तर में कोई परिवर्तन नहीं आता। उदाहरण के लिए किसी श्रमिक का एक औद्योगिक संस्थान से दूसरे संस्थान में चला जाना, एक फैक्ट्री के मैनेजर का इसी समान स्तर वाली फैक्ट्री में मैनेजर के ही पद पर चला जाना क्षैतिज गतिशीलता ही कहलायेगा।

इसके भी कुछ प्रकार हैं जो इस ~~प्रकार~~ तरह है —

(i) क्षेत्रीय गतिशीलता (Territorial Mobility) — एक भौगोलिक क्षेत्र से हटकर दूसरे क्षेत्र में निवास करना क्षेत्रीय गतिशीलता कहलाता है। आधुनिक युग में क्षेत्रीय गतिशीलता की दर में वृद्धि हो रही है। प्राचीन काल में प्रायः अधिकांश व्यक्ति जहाँ जन्म लेते थे उसी स्थान पर अपना पूरा जीवन व्यतीत कर देते थे। आज प्रायः लोग अपना स्थान बदलते रहते हैं।

(ii) व्यावसायिक गतिशीलता (Occupational Mobility) - समाज में व्यावसायिक स्तर पर ही एक स्थान से दूसरे स्थान पर चले जाना व्यावसायिक गतिशीलता कहलाता है Ex - एक कपड़ा मिल का श्रमिक जब दूसरी कपड़ा मिल में समान वेतन पर श्रमिक पद ग्रहण करता है तो उसकी यह सामाजिक गतिशीलता 'क्षैतिज व्यावसायिक गतिशीलता' कहलायेगी।

(iii) पारिवारिक गतिशीलता (Family Mobility) - पति अथवा पत्नी द्वारा विवाह विच्छेद एवं पुनर्विवाह के द्वारा स्थान परिवर्तन करने को पारिवारिक गतिशीलता कहा जाता है।

(iv) नागरिकता सम्बंधी गतिशीलता (Mobility concerned with citizenship) - एक राष्ट्र की नागरिकता छोड़कर दूसरे राष्ट्र की नागरिकता प्राप्त करना भी एक नागरिकता क्षैतिज गतिशीलता है यह परिवर्तन अपनी इच्छा से भी हो सकता है तथा विभिन्न परिस्थितियों के फलस्वरूप

भी हो सकता है।

(v) धर्म परिवर्तन सम्बन्धी गतिशीलता (Mobility concerned with change) — एक धर्म को छोड़कर दूसरे धर्म को अपनाना भी दौतिज गतिशीलता का उदाहरण है। विभिन्न नवीन धर्मों के उत्पन्न होने एवं प्रसार के फलस्वरूप इस प्रकार की गतिशीलता में वृद्धि हो जाती है। एक समय भारत में हिंदू वैदिक धर्म था। उसके बाद बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म का प्रचलन हुआ, भारतीयों में बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म की ओर गतिशीलता के दर्शन हुए।

(vi) राजनैतिक गतिशीलता (Political Mobility) — एक दल की सदस्यता छोड़कर दूसरे दल की सदस्यता स्वीकार कर लेना इसी प्रकार का उदाहरण है।

ऊर्ध्वाधर गतिशीलता
(Vertical Mobility)

डानियल तथा मैरिल के अनुसार, ऊर्ध्वाधर गतिशीलता का अर्थ "वर्गीय संरचना में ऊपर से नीचे की ओर होने वाला परिवर्तन है।" इस प्रकार ऊर्ध्वाधर गतिशीलता के अन्तर्गत ऊपर और नीचे होने और जाति होना सम्भव है।

सोरोकिन ने इसे परिभाषित करते हुए कहा है कि "ऊर्ध्वाधर सामाजिक गतिशीलता का अर्थ किसी व्यक्ति अथवा सामाजिक तथ्य द्वारा एक स्थित समूह से दूसरे स्थित समूह में संक्रमण करना है।"

ऊर्ध्वाधर गतिशीलता के प्रकार — इन सामाजिक गतिशीलता के दो प्रकार है —

(1) आरोही ऊर्ध्वाधर गतिशीलता (Ascending vertical Mobility)
इसमें व्यक्ति अथवा सामाजिक तथ्य की स्थिति क्रमशः उच्च से निम्न हो जाती है। इस प्रकार की

Scanned by CamScanner

गतिशीलता दो प्रकार की हो सकती है

(a) एक निम्न स्तर तथा निम्न समूह का सदस्य अपने प्रयास द्वारा एक उच्च समूह की सदस्यता प्राप्त कर लेता है

(b) व्यक्ति अपनी योग्यता के बल पर अपने ही समूह में निम्न से उच्च स्थिति प्राप्त कर लेता है

(ii) अवरोही ऊर्ध्वाधर गतिशीलता (Descending vertical Mobility) - अवरोही ऊर्ध्वाधर गतिशीलता के अन्तर्गत व्यक्ति अथवा किसी सामाजिक तथ्य की उच्च स्थिति क्रमशः निम्न हो जाती है यह गतिशीलता दो प्रकार की हो सकती है -

(a) व्यक्ति केवल अपनी व्यक्तिगत कमियों के कारण उच्च स्थिति से गिरकर निम्न स्थिति प्राप्त कर लेता है

(b) सम्बन्धित समूह का ह्रास हो जाता है जिसके फलस्वरूप उसके सदस्यों की स्थिति स्वयं ही निम्न हो जाती है

Sunita Kumari
19/5/20.

Scanned by CamScanner